मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ।
बाजे मुरली यमुना तीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ॥

श्याम सलौनी सूरत की दीवानी हो गयी ।
मैं कैसे धाऊँ धीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ॥१॥

मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ।

छोड़ दिया मैंने भोजन पानी श्याम की याद में ।
मेरे नैनन वरसै नीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ॥२ ॥

मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ।

इस दुनिया के रिश्ते नाते सब ही छोड़ दिये ।
मैं कैसे दिखाऊँ दिल वीर सखी वृन्दावन जाऊँगी
॥३ ॥

मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ।

नैन लड़े गिरधर से मै तो "पागल" कर डारी ।
दुनियाँ ते भयो आखीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ॥ ४
॥

मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी ।